जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

जालोर

Rashtradoot

फोनः- 226422, 226423 फैक्सः- 02973-226424 वर्षः 18 संख्याः 167 प्रभात जालोर, शनिवार 23 सितम्बर, 2023 पो. रजि. /RJ/SRO/9640/2022-24 पृष्ठ 8 मूल्य 2.50 रु.

लोकसभा में बिधूड़ी का भड़काऊ भाषण, ''डैमेज कंट्रोल'' में जुटी भाजपा

भाजपा अध्यक्ष जे.पी. नड्डा ने बिधूड़ी को कारण बताओ नोटिस जारी किया

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 22 सितम्बर। आज भाजपा बेहद बचाव की मुद्रा में आ गई और डैमेज कंट्रोल में लग गई। उसके लोकसभा सांसद रमेश बिधूड़ी ने बसपा के सांसद दानिश अली के विरूद्ध नफरत भरी टिप्पणी की बल्कि आपत्तिजनक शब्द भी प्रयुक्त किए। लोकसभाध्यक्ष ओम बिड़ला ने उनके बयानों को गंभीरता से लिया और दक्षिण दिल्ली के सांसद को भविष्य में ऐसा करने पर कड़ी कार्रवाई की चेतावनी दी।

कथित टिप्पणियों को सदन की कार्रवाई से निकाल दिया गया और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने तुरंत बिधूड़ी के व्यवहार के लिए खेद प्रकट किया। भाजपा अध्यक्ष जे.पी. नड्डा ने रमेश बिधूड़ी को हेट स्पीज के मुद्दे पर कारण बताओ नोटिस दिया है।

बिधूड़ी के बयानों से विपक्षी नेता भड़क गए और बिधूड़ी के निलंबन की मांग करने लगे। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने कहा कि लोकसभा में बिधूड़ी जो बयान दिया है वह सदन के सभी सदस्यों का अपमान है और उन्हें निलंबित किया जाना चाहिए।

बिधूड़ी की टिप्पणियों को गंभीरता से लेते हुए बिड़ला ने उन्हें चेतावनी दी कि अगर उन्होंने दुबारा ऐसा बर्ताव किया तो उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

- लोकसभा स्पीकर ओम बिड़ला ने बिधूड़ी की टिप्पणी को सदन की कार्यवाही से निकाला और बिधूड़ी को चेतावनी दी। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने भी इस टिप्पणी पर खेद जताया।
- इधर विपक्ष का हमला भी तेज हो गया है, कांग्रेस के जयराम रमेश ने बिधूड़ी की टिप्पणी को संसद का अपमान बताया व उन्हें निलम्बित करने की मांग की।
- माकपा ने एक बयान जारी कर कहा कि, बिधूड़ी ने सदन में जिस तरह की गलत भाषा का प्रयोग किया है, उसके लिए उन्हें गिरफ्तार किया जाना चाहिए।
- तृणमूल कांग्रेस की सांसद महुआ मोइत्रा ने कहा, मुसलमानों व ओ.बी.सी. को गाली देना भाजपा की संस्कृति है, शिव सेना ने कहा, सत्ता पक्ष में कोई शर्म नहीं बची है।
- आम आदमी पार्टी के संजय सिंह ने कहा, यह आर.एस.एस. द्वारा सिखाए गए मूल्यों का नतीजा है। आम आदमी पार्टी ने हर्षवर्धन व रवि शंकर प्रसाद की भी आलोचना की, जो बिधूड़ी की टिप्पणी पर हंस रहे थे।

माकपा ने बिधूड़ी को गिरफ्तार करने की मांग की। उसने एक बयान में कहा, ''नफरत भरे भाषण के लिए कोई विशेषाधिकार नहीं है, बिधूड़ी को गिरफ्तार कीजिए। उनके द्वारा दानिश अली के विरूद्ध जो अभद्र भाषा बोली गई है वह नफरती भाषण का सबसे गंदा रूप है जिस पर सुप्रीम कोर्ट ऐतराज कर चुका है। उन्हें गिरफ्तार करना चाहिए।

तृणमूल कांग्रेस सांसद महुआ मोइत्रा ने कहा, ''मुसलमानों और अन्य पिछड़ा वर्गों को गाली देना भाजपा की संस्कृति का अभिन्न अंग है और उन्हें इसमें कुछ गलत नहीं लगता। नरेन्द्र मोदी ने भारतीय मुसलमानों को अपने ही देश में ऐसी डर की हालत में रहने को मजबूर कर दिया है कि वे अपने ही देश में यह सब सहन कर रहे हैं। मैं यह कहने के लिए क्षमा चाहती हूं लेकिन मां काली ने मुझे ताकत दी है।

महुआ ने मांग की कि प्रधानमंत्री मोदी और लोकसभाध्यक्ष ओम बिड़ला बिधूड़ी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करें।

शिव सेना (उद्धव गुट) की राज्यसभा सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने एक्स पर कहा, ''भाजपा सांसद द्वारा बसपा के साथी सांसद कुंवर दानिश अली के विरूद्ध भद्दी भाषा का प्रयोग किया गया है। कोई शर्म नहीं बची है। यह विचलित करने वाला है क्या लोकसभाध्यक्ष इस पर ध्यान देकर कार्रवाई करेंगे।''

आम आदमी पार्टी के नेता संजय

(शेष पृष्ठ 5 पर)

संसद का विशेष सत्र समाप्त

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 22 सितम्बर। संसद का पंचदिवसीय विशेष सत्र, निर्धारित समय से एक दिन पूर्व, गुरुवार रात को अनिश्चित काल तक के लिये स्थगित कर दिया गया। इस सत्र में संसद के दोनों सदनों ने पूरे बहुमत से अति महत्वपूर्ण महिला आरक्षण विधेयक पारित कर दिया।

इस सत्र को लेकर बड़ी सनसनी जैसी स्थिति थी कि इस विशेष सत्र में क्या-क्या होगा। लोकसभा चुनाव जल्दी कराना, लोकसभा एवं राज्य विधानसभाओं के चुनाव साथ-साथ कराना तथा चुनाव आयोग की चयन समिति से भारत के मुख्य न्यायाधीश को हटाया जाना- आदि विषयों की अटकलें लगाई जा रही थीं लेकिन संसद को पुराने भवन से नये भवन में पहुँचाने और महिला आरक्षण विधेयक पारित करने के अलावा कुछ नहीं हुआ। चन्द्रयान-3 की

- 5 दिन का विशेष सांसद सत्र चौथे दिन गुरूवार की रात समाप्त कर दिया गया। इस सत्र में संसद के दोनों सदनों से महिला आरक्षण विधेयक पूर्ण बहुमत से पारित हो गया।

(शेष पृष्ठ 5 पर)

महिला नेताओं ने महिला आरक्षण कोटा में ओ.बी.सी. कोटा की मांग उठाई

-श्रीनन्द झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 22 सितम्बर। संसद में महिला आरक्षण विधेयक पारित होने का सत्तारूढ़ भाजपा पर कम से कम अवांछनीय प्रभाव जरूर पड़ा है- इंडिया गठबंधन, खासतौर से कांग्रेस के नेताओं के इस अभियान को जरूर सक्रियता एवं ऊर्जा तथा ताकत मिल गई है कि वे जातिगत जनगणना एवं ओ.बी.सी. के लिए आरक्षण की माँग को एक अभियान का रूप दें।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने इस मुद्दे को उठाते हुये कहा है कि महिला आरक्षण की क्रियान्विति को टालने के कारण के रूप में, परिसीमन तथा जनगणना का हवाला देने में सरकार ''धोखा एवं भुलावा देने वाली नीति'' तथा जातिगत जनगणना से ध्यान हटाने का रास्ता अपना रही है। ''महिला आरक्षण'' की तत्काल क्रियान्विति की माँग करते हुये, उन्होंने ओ.बी.सी. के लिये महिला आरक्षण कोटा के अन्दर कोटा रखे जाने की माँग जोरदार तरीके से की। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने भी नई जनगणना की कवायद तत्काल शुरु किये जाने की माँग की तथा कहा कि इस कवायद के एक हिस्से के रूप में जाति-आधारित जनगणना की कराई जाये।

ओ.बी.सी. की गणना तथा कोटा के बिना महिला आरक्षण विधेयक के पारित होने से एन.डी.ए. के अन्दर स्वर मुखरित हो रहे हैं। मध्य प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री तथा भाजपा नेता उमा भारती ने महिला आरक्षण में ओ.बी.सी. को बाहर रखे जाने को ''दुर्भाग्यपूर्ण'' बताया है तथा ओ.बी.सी. महिलाओं तथा इसके साथ ही मुस्लिम समुदाय की महिलाओं के लिये आरक्षण की माँग की है। केन्द्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल भी महिला आरक्षण में ओ.बी.सी. कोटा के लिये विपक्ष की माँग के समर्थन में आ गई हैं। उन्होंने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ''इस मुद्दे के समाधान के रास्तों पर विचार किया ही होगा।'' अनुप्रिया पटेल अपना दल (सोने लाल), जो भाजपा के नेतृत्व वाले एन.डी.ए. का घटक दल है, की अध्यक्ष

- भाजपा की नेता तथा मध्य प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती ने महिला आरक्षण में ओ.बी.सी. महिलाओं को शामिल नहीं करने को दुर्भाग्यपूर्ण बताया।
- एन.डी.ए. में भाजपा की सहयोगी पार्टी की नेता और केन्द्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल ने भी ओ.बी.सी. महिलाओं का कोटा तय करने की मांग की।

(शेष पृष्ठ 5 पर)

महिला आरक्षण बिल का सच क्या है?

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 22 सितम्बर। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने संसद द्वारा महिला आरक्षण विधेयक पारित करने को महान बताया लेकिन साथ ही कहा कि सरकार द्वारा इसे जल्दबाजी में विशेष सत्र बुलाकर पारित करवाना ओ.बी.सी. कोटा से ध्यान बंटाने की चाल है और किसी को पता नहीं है कि 10 साल बाद भी महिलाओं का आरक्षण लागू होगा या नहीं।

संसद का विशेष सत्र समाप्त होने के बाद ए.आई.सी.सी. में एक

- राहुल ने यह सवाल उठाते हुए, इसका जवाब भी दिया कि, जात आधारित जनगणना से ध्यान हटाने के लिए महिला आरक्षण का मुद्दा उठाया गया है। महिला आरक्षण विधेयक पारित होना बहुत अच्छी बात है, पर कोई नहीं जानता महिलाओं को आरक्षण कब मिलेगा।

(शेष पृष्ठ 5 पर)

चार लोकसभा सीटों पर उप चुनाव नहीं

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 22 सितम्बर। चुनाव आयोग ने तय किया है कि लोकसभा की चार रिक्त सीटों अम्बाला, पुणे, चन्द्रपुर

- चुनाव आयोग ने यह निर्णय इसलिए लिया है, क्योंकि अगले आम चुनावों में एक वर्ष से भी कम का समय बचा है।

(शेष पृष्ठ 5 पर)

क्या आपको कम सुनाई देता है।?
ऑटोमेटिक कान की मशीनें
स्पीच थैरेपी
कॉकलियर इम्पलांट, ऑटिज्म
डिले स्पीच, हकलाना, तुतलाना
PERFECT SPEECH AND HEARING SOLUTIONS
Tonk Road, JAIPUR | Vaishali Nagar, JAIPUR
सम्पर्क- 94602 07080

कर्नाटक में कुछ वरिष्ठ कांग्रेसी नेता तीन उपमुख्यमंत्री बनाने की मांग क्यों कर रहे हैं

अटकलें हैं कि, मु.मंत्री सिद्धारमैया के इशारे पर उनके समर्थक डी.के. शिव कुमार को तंग करने के लिए यह मांग उठा रहे हैं

-लक्ष्मण वैंकट कुची-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 22 सितम्बर। कर्नाटक में कांग्रेस के सामने ढ़ेरों समस्याएं खड़ा होना उसी समय तय हो गया था, जब मई 2023 में उसकी जबरदस्त जीत हुई थी। यह चीज अब और ज्यादा जोर-शोर से सामने आने लगी है क्योंकि वरिष्ठ नेता तीन उपमुख्यमंत्रियों की माँग करने लगे हैं। यह एक ऐसा प्रस्ताव है जो चन्द महीनों पुरानी सरकार के लिये परेशानी पैदा कर सकता है।

चूँकि कांग्रेस के पास 224 सदस्यीय विधानसभा में 134 सीटों का अपराजेय एवं ''सुरक्षित'' बहुमत है तथा भाजपा अपेक्षाकृत बहुत कम सीटों के साथ दूसरे नम्बर पर तथा जनता दल (एस) नितान्त कमजोर स्थिति में है तथा इसलिये सरकार को कोई खतरा नहीं है, लेकिन वरिष्ठ नेताओं की व्यक्तिगत आकांक्षाएं तथा उनकी असंभव किस्म की माँगें मुख्यमंत्री एस. सिद्धारमैया के लिये अतिरिक्त तनाव एवं दबाव पैदा कर सकती हैं।

तीन उपमुख्यमंत्री बनाने का प्रस्ताव सहकारिता मंत्री के.एन. राजन्ना की तरफ से आया है तथा यह प्रस्ताव सत्तारूढ़ दल में अत्यधिक चर्चा का विषय बन गया है। कुछ लोग तो इसके लिये लामबन्दी भी करने लगे हैं। इन लोगों का तर्क है कि तीन उपमुख्यमंत्रियों के होने से लोकसभा चुनावों में कांग्रेस को मदद मिल सकती है। राजन्ना को अपने इस ''सुझाव'' में कोई गलत बात नज़र नहीं आ रही।

- तीन उपमुख्यमंत्री बनाने का नवीनतम प्रस्ताव सहकारिता मंत्री के.एन. राजन्ना ने रखा है और उन्होंने कहा कि, इससे कांग्रेस को लोकसभा चुनाव में लाभ होगा।
- कुछ वरिष्ठ नेताओं की यह मांग कर्नाटक में कांग्रेस सरकार के लिए परेशानी पैदा कर सकती है।
- कर्नाटक में कांग्रेस सरकार के गठन के समय ही एक बात तय हो गई थी कि, उपमुख्यमंत्री का एक ही पद होगा और उस पर डी.के. शिवकुमार होंगे।

(शेष पृष्ठ 5 पर)

खड़गे-राहुल की सभा से पहले ही राजस्थान कांग्रेस की एकजुटता हवा हुई

होर्डिंग में पायलट को स्थान नहीं, अनुशासनहीनता के नोटिस का सामना करने वाले धारीवाल को दी जगह

जयपुर, 22 सितम्बर (का.प्र.)। राहुल गांधी और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे शनिवार को राजधानी जयपुर में कांग्रेस के नए प्रदेश मुख्यालय भवन का शिलान्यास करेंगे। शिलान्यास के बाद मानसरोवर के शिप्रा पथ पर हाउसिंग बोर्ड ग्राउण्ड पर सभा रखी गई है। लेकिन, सोचने वाला विषय यह है कि, एक तरफ तो, कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे और राहुल गांधी कांग्रेसजनों को जीत का मंत्र देने आ रहे हैं, वहीं, दूसरी तरफ कार्यक्रम से पहले ही एक बार फिर राजस्थान में कांग्रेस की खेमेबाजी उभर कर सामने आ गई है। हुआ यह है कि, कार्यक्रम के लिए प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय पर जो होर्डिंग्स लगे हैं उनमें, 25 सितंबर 2022 की घटना में दोषी माने जाने के बाद नोटिस का सामना कर रहे मंत्री शांति धारीवाल की फोटो तो लगी है, लेकिन कांग्रेस कार्यसमिति सदस्य सचिन पायलट को होर्डिंग में जगह नहीं दी गई।

कांग्रेस मुख्यालय भवन के पोस्टरों में सोनिया गांधी, राहुल गांधी, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, संगठन महासचिव के.सी. वेणुगोपाल के साथ प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा, मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा और अरबन डवलपमैंट एण्ड हाउसिंग (यू.डी.एच.) मंत्री शांति धारीवाल के

- कांग्रेस के बेहद जनप्रिय नेता सचिन पायलट की अनदेखी करने की इस कोशिश से पार्टी नेतृत्व के एकजुटता के दावे बेमानी से लगते हैं।
- राहुल गांधी और पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे कांग्रेस के नए प्रदेश मुख्यालय का शिलान्यास करने जयपुर आ रहे हैं और इस अवसर पर सभा को भी संबोधित करेंगे।
- राहुल की सभा में 60 हजार लोग जुटाने का प्रस्ताव है, सभी को टारगैट किया गया है पर दो दिन पहले ही मुख्यमंत्री के एक कार्यक्रम में जयपुर के तीन मंत्री 500 लोग भी नहीं जुटा पाए थे, ऐसे में उनकी क्षमता पर संशय है।

(शेष पृष्ठ 5 पर)